"ANNEXURE D"

नवोदय टाइम्स

नई दिल्ली

NAVODAYA TIMES, New Delhi

ABC से प्रमाणित 1,46,688 प्रतियां प्रतिदिन (औसत: जुलाई-दिसम्बर 2019)

सुशांत की तारीफ करते हुए संजना सांघी हुई इमोशनल 11

रविवार, 26 जुलाई, 2020 • तदनुसार 11 श्रावण, विक्रमी संवत 2077 | www.navodayatimes.in | facebook.com/navodayatimes | twitter.com/navodayatimes

आत्मनिर्भर भारत की जबरदस्त कामयाबी, अमरीकन टैक्नोलॉजी द्वारा बसों की बैटरी की लम्बी उम्र की पहल

कमर्शियल वाहनों की बैटरी को नई तकनीक से लम्बे समय तक चलाए

नई दिल्ली, 25 जुलाई: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश भर में आत्मनिर्भर बनने की घोषणा की थी जिसको देखते हुए दिल्ली के वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित कम्पोजिट सिनर्जी सॉल्यूशंस कम्पनी ने बसों, ट्रकों, ई-रिक्शा और इन्वर्टर में लगने वाली बैटरियों को सुरक्षित और लम्बे समय तक चलने के लिए एक नई पहल की है।

कम्पनी का दावा है कि इस नई टैक्नोलॉजी से बैटरी की लाइफ 3 गुना से ज्यादा बढ़ जाती है जिसका इस्तेमाल आज दिल्ली सरकार के अंतर्गत चलने वाली क्लस्टर बसों में किया गया। कम्पनी का दावा है कि बैटरी को लम्बे समय तक सुरक्षित और उसकी उम्र 3 गुना से अधिक बढ़ जाती है। कम्पनी की तरफ से सबसे पहले इसका उपयोग दिल्ली सरकार के अंतर्गत चलने वाली क्लस्टर बसों में किया गया, जिसमें हमने एक सोलर पैनल लगाया है जिसको एक सर्किट बाक्स के साथ जोड़ा जाता है, जो अमरीका द्वारा प्रमाणित है, जिसे पल्स टैक टैक्नोलॉजी बॉक्स कहते हैं जिसे बैटरी के साथ जोड़ा जाता है।

इस टैक्नोलॉजी से लगातार कई दिनों तक अगर बस, ट्रक या ई-रिक्शा किसी कारणवश इस्तेमाल नहीं किए गए, तब भी आपको न बैटरी चार्ज करने का झंझट होगा, न बैटरी खराब होने का डर, जिसका नतीजा अभी हाल में देश में लम्बे समय तक लॉकडाऊन में खड़ी सैंकड़ों बसों में देखने को मिला। जिन बसों में इस टैक्नोलॉजी को लगाया गया था, उन सभी बसों की बैटरियों को न चार्ज करने की जरूरत पड़ी और न ही बैटरियां खराब हुई, जिससे बैटरी के अतिरिक्त खर्च से मुक्ति मिली। इस बारे में क्लस्टर बसों को चलाने वाले (सी.बी. सिंह वाइस प्रैजीडैंट ग्रेट वैल्यू फ्यूल प्राइवेट लिमिटेड) ने बताया कि नई टैक्नोलॉजी से कम्पनी को बैटरियों पर होने वाले खर्चे में बड़ी राहत मिली है और जो बैटरियां हैं वे तय वक्त से ज्यादा चल रही हैं। वाइस प्रैजीडैंट ग्रेट वैल्यू फ्यूल प्राइवेट लिमिटेड का कहना है कि आज मौजूदा समय में हमारी इस टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल दिल्ली मैट्रो और पावर ग्रिड जैसी बड़ी कम्पनियां कर रही हैं। साथ ही कम्पनी की तरफ से दावा किया गया कि ऐसी कई पुरानी और खराब बैटरियों को इस नई तकनीक से रिकवर किया गया जिसके बाद उन बेकार पड़ी बैटरियों को इस्तेमाल योग्य बनाया गया। Impact Feature

Scanned with CamScanner